धार्मिक अनुकूलन: मुख्य तथ्य

हाल ही में पील डिस्ट्रिक्ट स्कूल बोर्ड में धार्मिक अनुकूलन के बारे में काफी चर्चा हुई है। विचार-विमर्श और बातचीत का स्वागत किया जाता है। लेकिन इस मुद्दे के साथ एक स्पष्ट कानूनी आवश्यकता का प्रत्युत्तर देने के लिए अक्सर जानबूझकर गलत सूचना देने का प्रयास किया गया है। यह स्वीकार्य नहीं है। हम अपने कानूनी दायित्वों को वैसे ही गंभीरता से लेते हैं जैसे हम वास्तविक सम्मिलन के लिए हमारे बोर्ड की प्रतिबद्धता को लेते हैं। हम चाहते हैं कि सभी छात्र सुरक्षित और स्वागत किया गया महसूस करें - जो कि उनकी व्यक्तिगत उत्कृष्टता की नींव है। स्पष्ट करने में मदद करने के लिए, यह कुछ महत्वपूर्ण तथ्य हैं जिनका अक्सर गलत अर्थ लगाया जाता है।

तथ्य: ओन्टारियो में सभी स्कूल बोर्डों के लिए धार्मिक अनुकूलन प्रदान करने की कानूनी आवश्यकता है। यह पील बोर्ड मूल्यों के साथ समनुरूप है और करने के लिए सही बात भी।

खंड 11 में संदर्भित अनुसार, ओंटारियो मानवाधिकार कोड के तहत धार्मिक अनुकूलन की आवश्यकता है। विशेष रूप से,ओन्टारियो मानवाधिकार आयोग (ओएचआरसी) कहता है, "नियोक्ता, सेवा प्रदाताओं, यूनियनों और आवास प्रदाताओं का मान्यताओं और प्रथाओं को समायोजित करने का कानूनी कर्तव्य है।"

तथ्य: सभी स्कूल बोर्डों की एक धार्मिक अनुकूलन कार्यविधि होने की आवश्यकता है।

ओन्टारियो के सभी स्कूल बोर्डों - सार्वजनिक और कैथोलिक - की कानूनी तौर पर धार्मिक अनुकूलन (ओएचआरसी के अनुसार) पेश करने की और धार्मिक अनुकूलन की कार्यविधि (शिक्षा मंत्रालय की 2009 प्रांतीय इक्विटी और समावेशी शिक्षा रणनीति के अनुसार) सुस्थित करने की आवश्यकता है। 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों के लिए, माता-पिता/संरक्षक के लिए अनुकूलन के लिए अनुरोध करना अनिवार्य है।

तथ्य: 15 वर्षों से अधिक के लिए पील स्कूलों में धार्मिक अनुकूलन किया जा रहा है।

धर्म स्कूलों में प्रतिबंधित नहीं है और कभी भी प्रतिबंधित नहीं किया गया है - धार्मिक अनुकूलन कई वर्षों से स्कूल बोर्डों की आवश्यकता रही है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा अपेक्षित अनुसार , 2012 से पील बोर्ड की एक औपचारिक धार्मिक अनुकूलन कार्यविधि है। इससे पहले एक दशक से अधिक तक के लिए, बोर्ड ने एक स्थापित प्रक्रिया के माध्यम से कानूनी तौर पर आवश्यक धार्मिक अनुकूलन प्रदान किया था। 2016-17 स्कूली वर्ष के दौरान, कार्यविधि का आधुनिकीकरण किया गया था।

तथ्य: ट्रस्टियों ने जनता से धार्मिक अनुकूलन के बारे में सुना है और सुनना जारी रखा है।

ट्रस्टी कई प्रतिनिधि मंडल स्वीकार कर चुके हैं और उन्होनें शुक्रवार प्रार्थना अनुकूलन के लिए और उसके खिलाफ लोगों से सुना है। उनकी भूमिका उनके द्वारा सेवा किए जाने वाले पूरे समुदाय के लिए नीतिगत फैसले करना है।

परन्तु, शुक्रवार प्रार्थना पर ट्रस्टियों के लिए कोई 'निर्णय' नहीं था - धार्मिक अनुकूलन एक कानूनी आवश्यकता है, और धार्मिक अनुकूलन संचालन कार्यविधि प्रशासनिक नीति है, बोर्ड की नीति नहीं।

प्रतिनिधि-मंडल सुने जाने का एक ही रास्ता हैं। आप अपने स्थानीय ट्रस्टी के पास भी अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं। www.peelschools.org/trusteesपर पता लगाएँ कि आपका स्थानीय ट्रस्टी कौन है

तथ्य: बोर्ड एक धर्म के बदले दूसरे का पक्ष नहीं लेता है।

हमने चिंताएँ सुनी हैं कि शुक्रवार की प्रार्थना के लिए अनुकूलन उपलब्ध करवा कर, बोर्ड मुस्लिम समुदाय का पक्ष ले रहा है। ना केवल यह झूठ है, यह बोर्ड के लिए और हमारे मुस्लिम समुदाय के लिए अपमानजनक है।

धार्मिक अनुकूलन सभी धर्मों के लिए है। धर्म व्यक्तिगत है, और आस्था का सम्मान धर्म और व्यक्ति के अनुसार अलग है। बोर्ड की व्यक्तिगत धर्म के अभ्यास के आधार पर समायोजित करने की आवश्यकता है, अन्य धर्मों के साथ तुलना में नहीं।

तथ्य: अगर अनुकूलनों के लिए अनुरोध किया जाता है, धर्म के लिए धर्मनिरपेक्ष स्कूलों में जगह है।

धर्म का प्रचार पब्लिक स्कूलों की भूमिका नहीं है, लेकिन धार्मिक अनुकूलन है। ओएचआरसी के अनुसार, "अनुकूल बनाने का कर्तव्य केवल इस लिए भी नकारा नहीं जाता क्योंकि एक व्यक्ति या संगठन को लगता है कि कोई मान्यता या अभ्यास अनुचित या आपत्तिजनक है, या क्योंकि एक संगठन धर्मनिरपेक्ष सार्वजनिक क्षेत्र में काम करता है। कनाडा के सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि एक धर्मनिरपेक्ष राज्य उन्हें बुझाने की कोशिश करने के बजाय धार्मिक मतभेदों का सम्मान करता है।”

तथ्य: शुक्रवार की प्रार्थना से छात्र शिक्षा पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।

शुक्रवार की प्रार्थना का कक्षा में अन्य छात्रों पर कोई प्रभाव नहीं होता है। ध्यान व्यक्तिगत शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने पर केंद्रित रहता है। प्रार्थना करने के लिए अनुकूलन के लिए अनुरोध करने वाले छात्रों के लिए, बोर्ड के पास उनके सीखने और दूसरों के सीखने में विघ्न को कम करने में मदद करने के लिए स्पष्ट और विशिष्ट दिशानिर्देश हैं। हम उस समय का पता लगाने का प्रयास करते हैं जब छात्र पहले से ही कक्षा से बाहर होते हैं - उदाहरण के लिए दोपहर का खाना - या अगर वह कक्षा में हैं, कक्षा के प्रारंभ में या समापन पर 15 मिनट। यदि माता-पिता को कोई चिंताएँ हैं, तो उन्हें अपने प्रिंसिपल या वाइस प्रिंसिपल से संपर्क करना चाहिए।

तथ्य: शुक्रवार की प्रार्थना के लिए अनुकूलन उपलब्ध कराने में कोई लागत या अनुचित कठिनाई नहीं है।

शुक्रवार की प्रार्थना के लिए अनुकूलन उपलब्ध कराने में कोई लागत नहीं है। छात्र 15 से 20 मिनट के लिए पहले से ही खुले स्थान का उपयोग करते हैं और उनकी देखरेख स्टाफ के एक ऐसे सदस्य के द्वारा की जाती है जो अपना समय

वालंटियर करता है। अनुकूलन का परिणाम अधिक पोर्टेबल या स्कूल में जगह से संबंधित समस्याओं का सृजन नहीं है।

ओएचआरसी कहता है, "लोगों के धर्म विश्वासों और प्रथाओं को अनुकूल बनाने का कर्तव्य ऐसे कारकों की वजह से सीमित या वंचित नहीं होना चाहिए ... तीसरे पक्ष की प्राथमिकताएं, व्यापार असुविधा, या सामूहिक समझौते या संविदात्मक शर्तें।" "अनुकूलन मुहैया करने की आवश्यकता नहीं है अगर वह अनुचित या अत्यधिक कठिनाई का कारण बनता है। हालांकि, कुछ हद तक कठिनाई स्वीकार्य है।"

संहिता के तहत, शुक्रवार की प्रार्थना को समायोजित करने के लिए अनुचित कठिनाई का कोई मामला नहीं है।

तथ्य: परिवार के धर्म और विश्वासों के आधार पर अनुकूलन अलग-अलग होता है।

धर्म की मान्यताओं और आवश्यकताओं के आधार पर धार्मिक अनुकूलन अलग-अलग होता है। अनुरोधों की स्कूल द्वारा ध्यानपूर्वक समीक्षा की जाती है और उनके लिए शिक्षा अधिनियम और ओंटारियो मानवाधिकार संहिता का पालन करना जरूरी है। हमारी क्षमता के अनुसार अनुकूलन प्रदान करने की बोर्ड की कानूनी आवश्यकता है।

ओएचआरसी के अनुसार, "अनुकूल बनााने का कर्तव्य परिस्थितियों में सबसे उपयुक्त अनुकूलन प्रदान करने के बारे में होने से अधिक है। यह आवश्यकताओं के आकलन के लिए एक सार्थक, नेकनीयती वाली प्रक्रिया में शामिल होने और उपयुक्त समाधान ढूंढने के बारे में भी है। दोनों में से एक भी घटक को उचित रूप से अंजाम देने में नाकाम रहना भेदभावपूर्ण हो सकता है।"

विद्यालय में अनुकूलन प्रदान करके, कक्षा से दूर समय कम हो जाता है और छात्रों को कक्षा में सीखने के लिए अधिक समय मिलता है, जो सफलता का समर्थन करता है।

तथ्य: छात्रों के अनुरोध पर बोर्ड के लिए धार्मिक क्लबों को अनुमति देने की कानूनी आवश्यकता भी है।

बोर्ड धर्म सहित, छात्रों की दिलचस्पी के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता। हमारे लिए छात्रों की सारी दिलचस्पियों के साथ समान रूप से व्यवहार करना जरूरी है। हम एक छात्र क्लब के निर्माण में धर्म के साथ किसी भी अन्य दिलचस्पी से अलग बर्ताव नहीं कर सकते। छात्रों की दिलचस्पी के आधार पर स्कूलों में ऐसे कई क्लब हैं। ये क्लब किसी भी अन्य पाठ्यक्रमेतर (extracurricular) क्लब या गतिविधि के नियमों का पालन करते हैं। धार्मिक क्लबों में सदस्यता सभी छात्रों के लिए खुली होनी चाहिए।

तथ्य: हालांकि स्टाफ शुक्रवार की प्रार्थना की निगरानी करेगा, बोर्ड धर्म के अभ्यास में हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

कानून स्पष्ट है - बोर्ड धर्म के अभ्यास में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। विद्यार्थी चुनते हैं कि कहां बैठें और वह कैसे प्रार्थना करते हैं। एक स्टाफ सुपरवाइज़र पर्यवेक्षक हमेशा मौजूद होता है और छात्र खुत्बा (चिंतन) हमेशा अंग्रेज़ी में होगा।

तथ्यः ओन्टारियो कोर्ट के द्वारा लॉर्ड की प्रार्थना(Lord’s Prayer) को हटाने और धार्मिक अनुकूलनके बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

पहले लॉर्ड की प्रार्थना (Lord’s Prayer) उन छात्रों के सहित सभी छात्रों द्वारा अभ्यस्त थी, जो उस धर्म का अभ्यास नहीं करते थे। दूसरी ओर, शुक्रवार की प्रार्थना, सभी छात्रों के लिए एक बोर्ड-अनिवार्य अभ्यास नहीं है और केवल उन छात्रों पर प्रभाव डालता है जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से उस खास धार्मिक अनुकूलन के लिए अनुरोध किया है।

तथ्यः ओन्टारियो मानवाधिकार संहिता कि किसी अन्य संहिता या अधिनियम से अधिक प्रधानता है।

ओएचआरसी के अनुसार, " संहिता (कोड) की ऑंटारियो में अन्य सभी प्रांतीय कानूनों पर प्राथमिकता है - या प्रधानता ली जाती है। जहां संहिता (कोड) की कानून के साथ मतभिन्नता होती है, कोड प्रबल होगा।”

तथ्यः पील बोर्ड कोई भी ऐसे अभियानों को बर्दाश्त नहीं करता है जो एक धर्म के खिलाफ भेदभाव करते हैं।

यह देखना निराशाजनक और हताश करने वाला रहा है कि अक्सर एक एकल विश्वास समूह की ओर घृणा और पूर्वधारणा स्कूलों में धर्म के बारे में एक संभावित अभियान में छिपाई हुई होती है। किसी ने भी स्कूल भर में होने वाले दीवाली के समारोह बारे में, या कि हम भोजन में शाकाहारी विकल्प प्रदान करते हैं, या क्रिसमस सहित सभी प्रमुख धर्म दिनों की अभिस्वीकृति करते हुए पोस्टर पोस्ट करते हैं के बारे में चिंता व्यक्त नहीं की है। यह देश के नियमों, ऑंटारियो मानवाधिकार संहिता और हमारे बोर्ड के मूल्यों के विपरीत - इस्लाम के खिलाफ एक अभियान है।